

जैक मरे, नहेम्याह, व्याख्यान 1

ट्रांसक्राइब: कोर्टनी स्टीवंसन, 2008 गॉर्डन कॉलेज

बाइबल इवेंजलिज्म में एक बार फरि डॉ. जैक मुरे द्वारा व्याख्यात्मक उपदेश प्रस्तुत किया गया है। उद्धारकर्ता की महिमा करने और श्रोताओं को आशीर्वाद देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। व्याख्यान 1

अब यहाँ डॉ. जैक मरे हैं:

परचिय

हम इन 5 सुबहों में बाइबल अध्ययन के मामले में एक बहुत ही असामान्य पुस्तक के साथ काम करने जा रहे हैं। अब हमने नहेमायाह की पुस्तक को चार मुख्य भागों में विभाजित किया है, इनमें से प्रत्येक भाग "V" अक्षर से शुरू होता है। दूसरा भाग प्रकृतियों में दो गुना है।

प्रार्थना में दर्शन

नंबर एक, "प्रार्थना में दर्शन"। हर कोई इसे "प्रार्थना में दर्शन" कहता है। अब इसका संबंध केवल अध्याय एक से है। अध्याय एक संपूर्ण का एक लघु रूप है। अध्याय एक में एक व्यक्ति के साथ जो होता है, वास्तव में पुस्तक के बाकी हिस्सों में हजारों लोगों के साथ होता है, लेकिन अध्याय एक की उचित समझ, जिसके बारे में हमें विश्वास है कि हम आज सुबह समझ लेंगे, हमें संपूर्ण का एक लघु रूप प्रदान करेगी, और आपको नहेमायाह की पूरी पुस्तक को समझने में मदद करेगी।

सत्य के लिए बहादुर और लड़ाई में बहादुर

फरि दूसरा भाग दो गुना है। इसे "सत्य के लिए वीर" कहा जाता है, ये शब्द यरिमयाह 9:3 में पाए जाते हैं और "लड़ाई में वीर", ये शब्द इब्रानियों 11:34 में पाए जाते हैं। आप तुरंत पहचान लेंगे कएक सकारात्मक अभवियक्ति है, "सत्य के लिए वीर"; दूसरी एक नकारात्मक अभवियक्ति है, "लड़ाई में वीर"। लेकिन वे दोनों बहुत, बहुत आवश्यक हैं। नहेमायाह के अध्याय 2-7, एक दोहरी रूपरेखा।

मैं शायद इसे सबसे अच्छे तरीके से समझा सकता हूँ अगर आपके पास एक डॉलर का नोट है। मैं कोई भेंट नहीं लेने जा रहा हूँ, इतने चतिति मत देखिए। अगर आपके पर्स या बटुए में एक डॉलर का नोट है, तो आप इसे क्यों नहीं निकालते और एक पल के लिए इसे देखते हैं। और अगर आप

महान अमेरिकी ईगल प्रतीक के नीचे देखते हैं, तो आप पाएंगे कपिक्षी एक हाथ से जैतून की शाखा और दूसरे हाथ से तीरों का बंडल पकड़े हुए है। मुझे नहीं पता कि आपने कभी इस प्रतीक का अध्ययन किया है या नहीं, जैतून की शाखा क्या दर्शाती है? शांति तीरों का गुच्छा क्या दर्शाता है? युद्ध और युद्ध की तैयारी। तो आपके पास हमारे राष्ट्रीय चित्र के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू हैं।

अब यह ईसाई जीवन का एक अच्छा प्रतिनिधित्व है। कभी-कभी आप जानते हैं, लोगों को यह विचार आता है कि जब वे मसीह के पास आते हैं तो उन्हें सावधानी से पैक किया जाता है, मुहर लगाई जाती है "इस तरफ, नाजुक," स्वर्ग के लिए बाध्य। मेरे पास आपके लिए खबर है, वह खबर यह है कि आप एक ऐसी लड़ाई में शामिल हो गए हैं जिसके बारे में आपने पहले कभी नहीं जाना होगा। आप उस चीज में प्रवेश कर चुके हैं जैसे पॉल युद्ध कहता है, एक अच्छा युद्ध, या फिर से विश्वास की अच्छी लड़ाई लड़ें, अनन्त जीवन पर पकड़ बनाये रखें। और नहेमायाह की पुस्तक अध्याय 2-7 में, हमारे पास ईसाई जीवन के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं। नहेमायाह में, उनका प्रतिनिधित्व अमेरिकी ईगल द्वारा नहीं, जैतून की शाखा या तीरों के बंडल द्वारा नहीं, बल्कि ट्रॉवेल और तलवार द्वारा किया जा सकता था। ट्रॉवेल किसका प्रतिनिधित्व करता है? इमारत। तलवार युद्ध का प्रतिनिधित्व करती है। वहां उनके पास है: निर्माण करना और लड़ना। अब मैं यथार्थवादी हूँ, आदर्शवादी नहीं हूँ। हमें चीजों का वैसे ही सामना करना चाहिए जैसे हम उन्हें पाते हैं और ईसाई जीवन में निर्माण होता है और ईसाई जीवन में संघर्ष होता है, और जब तक आप नहेमायाह की कतिब पढ़ते हैं, तब तक आप इसे खोज लेंगे, यदि आपने इसे नहीं खोजा है पहले।

मैं आपको न्यू टेस्टामेंट से एक उदाहरण देता हूँ। आप जानते हैं कि जब पॉल

फलिपिपी के रोमन उपनिवेश शहर में गया, तो वहां कोई आराधनालय नहीं था, उसका रविज आमतौर पर आराधनालय में जाना था और वहां पुराने नयिम के धर्मग्रंथों से एक आरोप खोलना था कथीशु लंबे समय से वादा कयिा गया, पुराने लोगों में से एक है। वसीयतनामा, लेकनि नसिंसंदेह फलिपिपी में कोई आराधनालय नहीं था। उसे कुछ महिलाएँ मलीं जो नदी के कनारे प्रार्थना सभा कर रही थीं, बाइबलि कहती है कपिॉल बोल रहा था और वहाँ लडिया नाम की एक महिला थी। बाइबल कहती है, "जसिका हृदय प्रभु ने खोल दयिा और उसने

पौलुस द्वारा कही गई बातों पर ध्यान दिया " (प्रेरितों 16:14)। हमने यूरोप में पहला धर्मपरिवर्तन किया है, हमने न केवल लडिआ का, बल्कि उसके पूरे परिवार का धर्मपरिवर्तन किया है। वास्तव में घरेलू लडिआ फलिपिपी में शशि चर्च का मलिन स्थल बन गया। और हर कोई कहता है, "ओह क्या इस तरह से ईसाई कार्य करने में सक्षम होना अद्भुत नहीं है, बस बगीचे में जाकर और उस दाहनी साहुल को छूकर और उसे सीधे अपने हाथों में छोड़ देना"। हर कोई इस तरह से ईसाई कार्य करना पसंद करता है और यदि आप अधिनियम के 16वें अध्याय में, उस कहानी के साथ रुकते हैं, तो आपके पास इसका केवल एक हिससा है। कुछ ही समय बाद वे शहर के एक बूथ से गुज़रे जहाँ एक दुष्टात्मा से ग्रस्त लड़की थी, और दुष्टात्मा ने कहा, "ये लोग," पॉल और सीलास के बारे में बोलते हुए, "दखाने के लिए सर्वोच्च परमेश्वर के सेवक हैं तू ही उद्धार का मार्ग है" (प्रेरितों 16:17)। यह राक्षसी गवाही पॉल को परेशान कर रही थी, और इसलिए उसने लड़की पर उंगली उठाई और राक्षस से कहा, "मैं तुम्हें यीशु के नाम पर उससे बाहर आने की आज्ञा देता हूँ" और इस लड़की की अजीब भवषियवादी शक्तियाँ हमेशा के लिए वफिल हो गईं और जो मनुष्य उसकी अद्भुत भवषियवाणियों से बहुत धन कमा रहे थे, उन्होंने पौलुस और सीलास को पकड़ लिया, और उन्हें बाजार में खींच लिया, उन पर तीन गुना झूठा आरोप लगाया, और फिर उन्हें पीटा और भीतरी जेल में डाल दिया। परन्तु यह भीतरी कारागार में था जहाँ पौलुस और सीलास ने प्रार्थना की और परमेश्वर की स्तुति गाई, और यह भीतरी कारागार में था कि जेलर ने चलिलाकर कहा, "बचाए जाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?" (प्रेरितों 16:30). आप कहते हैं, "मुझे इस तरह से ईसाई कार्य करना पसंद नहीं है, मेरी पीठ से खून बह रहा है, और आंतरिक जेल में हूँ"। लेकिन आप कौन होते हैं भगवान को यह बताने वाले कविह अपना

काम कैसे करेगा?

एक सकारात्मक कार्रवाई, इमारत, सुंदर, आत्मसंतुष्ट, प्यारा दृश्य है। ईसाई कार्य का एक बड़ा हिसा इसी तरह है। लेकिन ईसाई कार्य का एक बड़ा हिसा इस तरह नहीं है, यह युद्ध में है। यह खून, पसीने और आंसुओं में है। यह आंतरिक जेल में है, लोहे के पर्दे के पीछे के ईसाइयों से पूछें, बांस के पर्दे के पीछे के ईसाइयों से पूछें, गन्ने के पर्दे के पीछे के ईसाइयों से पूछें, और वे युद्ध के पहलू में हैं। अब यही हम नहेमायाह की पुस्तक में पाते हैं। यह महान सत्य है, नहेमायाह के सदिधांतों को नश्चिती रूप से नए नियम में बढ़ाया गया है, लेकिन हम उनके मूल तत्व नहेमायाह में पाते हैं।

पुनरुत्थान में वजिय

ठीक है अब हम रूपरेखा के तीसरे भाग पर चलते हैं। वह भाग अध्याय 8-12 है, और हम इसे "पुनरुत्थान में वजिय" कहते हैं। हर कोई इसे "पुनरुत्थान में वजिय" कहता है। ठीक है, "पुनरुत्थान में वजिय" अध्याय 8-12। अब इस पर थोड़ी अंतरदृष्टि, आप नहेमायाह की पुस्तक में देखेंगे कि अधिकांश बाइबल शक्तिषकों को लगता है कि सार्वजनिक आध्यात्मिक जागृता का सबसे अच्छा उदाहरण है, जसि पूरे बाइबल में पुनरुत्थान के रूप में जाना जाता है। यह एक शानदार तस्वीर है। अध्याय एक में एक आदमी के साथ जो होता है, वह अध्याय 8, 9, 10, और 11 और 12 में लगभग 50,000 लोगों के साथ होता है। और हम गुरुवार को "पुनरुत्थान में वजिय" पर आएं।

अब ऐसा लगता है कि जब तक जागृता जीत ली गई है, हमें कहना चाहिए, और वे हमेशा खुशी से रहते हैं और घर जाते हैं, यह इसे समाप्त करने का तरीका है, लेकिन बाइबल इसे इस तरह समाप्त नहीं करती है। अध्याय 13 भी एक एकल खंड है, पुस्तक का चौथा खंड, और हम इसे "सदैव सतर्कता" कहते हैं। अध्याय 8-12 में जो महान जागृता जीती गई थी, वह अध्याय 13 में खो गई और फरि से वापस आ गई। और पुस्तक सतर्कता के नोट पर समाप्त होती है।

ठीक है, मैं इस पर आज सुबह से ही विचार कर रहा हूँ और मैं चाहता हूँ कि आप इस रूपरेखा को समझ लें। मेरा तरीका आमतौर पर आपको पूरी रूपरेखा देना और फरि विवरण बनाना शुरू करना है। हमने अध्याय एक में कुछ विवरण रखे हैं, जनि पर हम चर्चा करने जा रहे हैं। अब मैं चाहता हूँ कि आप पूरी तरह से सहज रहें, अनौपचारिक रहें, वास्तव में हमारे पास बहुत समय है और यदि मैं ऐसा कर सकता हूँ, तो मैं प्रत्येक घंटे के अंत में आपसे आपके प्रश्न पूछने के लिए कुछ मिनट का समय दूँगा। अब आपके पास कोई प्रश्न हो सकता है, मुझे याद है कि मैं कॉलेज की कक्षाओं में बैठा था और मैं

कुछ सोचता था और फिर मैं कहता था, "ओह नहीं, मुझे यह नहीं पूछना चाहिए"। इससे मेरी बेवकूफी भरी सोच का पता चलेगा, लगभग 5 मिनट बाद कोई जोकर वही प्रश्न पूछेगा और प्रोफेसर कहेगा, "यह एक बढ़िया प्रश्न है!" और मैं सारी शान खो दूँगा। तो आपके मन में जो प्रश्न है, वह कई लोगों के मन में हो सकता है। मेरे पाँच बच्चे हैं; हमारे पाँच बच्चे हैं, तीन बेटे और दो बेटियाँ। जब मैं पादरी था तो मैं कुछ करता था, मैं चाहता था कि मेरे बच्चे मेरी बात सुनें, पाँप को सुनना हमेशा मुश्किल नहीं होता, लेकिन यह इस तरह से होता था, अब आप मेरा अनुसरण करेंगे और अपनी रूपरेखा तैयार करेंगे। और अगर रूपरेखा सही है, तो मैं आपको एक चौथाई दूँगा, इतना सही नहीं, 20

सेंट, कुछ मार्क्स की छूट, 15 , 10 से कम कुछ नहीं। और इसलिए हमें रविवार की सुबह की सेवा के बाद पादरी के घर तक सात मील ड्राइव करना पड़ता था। और मैं कहता, ठीक है स्टीव, स्टीव आज गार्डन सर्टी, लॉन्ग आइलैंड में एल्युमिनियम कंपनी ऑफ अमेरिका के मैनेजर हैं, मैं स्टीव से कहता, "स्टीव पॉइंट नंबर एक", वह पॉइंट नंबर एक के साथ फायरगि करके आता। "बहुत बढ़िया बेटा!" "और पॉइंट नंबर दो सारा के बारे में क्या?", "अच्छा पतिजी मुझे यह बहुत अच्छी तरह से समझ में नहीं आया।" फ्रैंक कहता, "मुझे भी नहीं आया"। जॉर्ज कह सकता है, "मुझे यह बलिकूल समझ में नहीं आया"। अब मैं यह नहीं कहता, "तुमने क्यों नहीं सुना!?" मैं कहूंगा जैक, आप चूक गए, आप चूक गए, उन्होंने आपको वोट दिया है। जाहरि है आप बहुत स्पष्ट नहीं थे। मैंने अपने बच्चों से बहुत कुछ सीखा है। और मैंने मेहनत करना सीखा, वास्तव में धर्मयुद्धों में हमें जो सबसे अधिक वपिल टपिपणी मिलती है, वह है, "आपकी शक्ति बहुत सरल है।" मैं यही चाहता हूं। मैं इसके लिए कोई माफी नहीं मांग सकता। मैं चाहता हूं कि इसे समझा जाए। जब कोई आपके पास आता है, जैसा कि उन्होंने लगभग एक घंटे पहले किया था, और आपको चौदह साल पहले आपके द्वारा दी गई बैठकों की श्रृंखला की पूरी रूपरेखा बताता है, तो यह एक वनिम्र अनुभव की तरह होता है। बस यही है। वे इसे कभी नहीं भूले हैं, अब मैं यही चाहता हूं। मैं केवल सुबह के समय यहां आने पर कुछ प्रेरणा नहीं चाहता, मैं कुछ ऐसी शक्ति चाहता हूं जो लंबे समय तक आपके साथ रहे। यहां कोई स्कॉटशिमैन है? मुझे कुछ दलिया चाहिए जो आपकी हड्डियों से चपिक जाए। यहां कुछ दलिया, कुछ ऐसा जो ठोस हो। कोई धारा नहीं, पानी के ऊपर कोई झाग नहीं, बल्कि नीचे कोई गहरी धारा, मैं चाहता हूं कि आप इस महान पुस्तक की सच्चाई समझें।

नहेमायाह की पृष्ठभूमि: नरिवासन के बाद का काल

ठीक है, अब हम अध्ययन में जा रहे हैं, चलो अब अपनी बाइबल लेते हैं और नहेमायाह की इस पुस्तक से शुरू करते हैं। और आपको यह बहुत ही रोचक लगेगा, "हकल्याह के पुत्र नहेमायाह के वचन। और बीसवें वर्ष के कसिलवे महीने में, जब मैं शूशन राजगढ़ में था" (नहे. 1:1)।

ठीक है अब सभी को ध्यान से देखो, इसे हम कैद के बाद की अवधि कहते हैं। पुराने नयिम के इतिहास में, हम 70 साल की कैद के तुरंत बाद की अवधि पाते हैं। परमेश्वर ने अपने लोगों को

उनके धर्मत्याग के कारण कैद में भेजा। उसने उन्हें 70 साल के न्याय के साथ दंडित किया, और फिर इन 70 वर्षों के तुरंत बाद, हमारे पास गतिविधि है। अब यह गतिविधि नहेमायाह तक आने से एक पूरी सदी पहले शुरू हुई थी।

इसे हम कैद के बाद की कतिबें कहते हैं: एज्रा, एस्तेर, नहेम्याह। और नश्चिती रूप से संस्थापक भवषियवक्ता हाग्गी, जकर्याह और मलाकी। मैं आपको बोर न करने के लिए एक संक्षिप्त विवरण देता हूँ, हम इसे फिर से करेंगे, लेकिन एज्रा की पुस्तक में हमें साइरस का आदेश मलिता है। जहाँ परमेश्वर इस महान राजा के हृदय में काम करता है। और वह आदेश देता है कि मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाना चाहिए। एज्रा के इन पहले छह अध्यायों में दो उत्कृष्ट नेता पाए जाते हैं। यह नहेम्याह से लगभग एक सदी पहले हुआ था। जरुब्बाबेल, सरकारी नेता, येशू, या यहोशू, पुजारी नेता। ये दोनों आए, आपको याद होगा, और लगभग 50,000 लोग आए। और एज्रा के तीसरे अध्याय में, उन्होंने मंदिर की नींव रखी, वहाँ खुशी थी, वहाँ रोना था। बेशक मंदिर की नींव, कैद के बाद का मंदिर, या जैसा हम विद्वानों में कहते हैं, दूसरा मंदिर काल, सुलैमान के महान मंदिर से नीचा था। और कुछ बुजुर्ग लोग जिन्होंने सुलैमान के मंदिर की महान सुंदरता को याद किया था, रो पड़े (एज्रा 3:12), लेकिन यह एक सच्चा मंदिर था। और फिर आपको याद होगा कि सामरी लोग आए और मंदिर के निर्माण का विरोध किया, इसलिए निर्माण रुक गया, और नींव वहीं थी, लेकिन बस इतना ही था।

और फिर सुसमाचार के दो शक्तिशाली प्रचारक आए। एक का नाम जकर्याह था, वह प्रोत्साहन का पैगंबर था। दूसरा हाग्गै था, वह फटकार का पैगंबर था। और इन दो लोगों ने मलिकर निवासियों की संगति में आकर उन्हें उकसाया। और उन्होंने विरोध के बावजूद फिर से निर्माण करना शुरू कर दिया। और एज्रा के छठे अध्याय के अंत तक,

हमारे पास कैद के बाद के मंदिर का पूरा होना है। अब यह फरि से नहेम्याह की घटनाओं से लगभग 70 साल पहले की बात है, और फरि एज्रा के अध्याय 6 और अध्याय 7 के बीच, लगभग 50 या 60 वर्षों की अलखिति घटनाओं की अवधि है, और फरि एज्रा के अध्याय 7, 8, 9 और 10 से शुरू होकर, हमारे पास एज्रा की वास्तविकी सेवकाई है, क्योंकि वह एक छोटे दल के साथ वापस आता है, और मेरी इच्छा है कि मैं एज्रा की पुस्तक पढ़ सकूँ। यह पुनरुत्थान की एक महान पुस्तक है, एज्रा के अंतमि चार अध्याय

यरूशलेम में जबरदस्त आध्यात्मिक आंदोलनों को प्रकट करते हैं । उसके बाद, एज्रा के अंत से लेकर नहेम्याह की पुस्तक की शुरुआत में जो हम यहाँ देखते हैं, तक 12 साल की अवधि अब मुझे उम्मीद है कि यह बहुत तेज़ नहीं रहा होगा और मुझे उम्मीद है कि आपको यह थोड़ा सा समझ में आ गया होगा।

लेकिन नहेम्याह अब दृश्य में आ रहा है, कैद के बाद की अवधि की गतिविधियों के लगभग सौ साल बाद। और बाइबल यहाँ अध्याय 1 में कहती है, वह शूशन महल में था, वह अभी भी फारस की राजधानी में था। और बस थोड़ा आगे, वह फारस की राजधानी में क्या कर रहा था? अध्याय एक का अंतिम शब्द, "क्योंकि मैं राजा का पलानेवाला था"। पलानेवाला नहेमायाह

अब हम "राजा के पलानेवाले" के बारे में यह बात स्पष्ट कर दें, वह कोई साधारण सेवक नहीं था। वह केवल एक पुरुष वेटर नहीं था, बल्कि नहीं। यह आदमी फारसी दरबार के सबसे भरोसेमंद सदस्यों में से एक था। वह दानयियेल की तरह था, राजा का साथी। वह वह आदमी था जो कई बार मौत और राजा के बीच खड़ा था। ज़हर देकर, षडयंत्रों से, कई, कई, षडयंत्रों से। नहेमायाह एक अपव्ययी नहीं था, वह एक अपव्ययी नहीं था। वह बदकस्मित नहीं था। वह पाप के दृश्यों से बाहर नहीं था। नहीं, नहीं! नहेमायाह एक बहुत ही प्रमुख, उत्कृष्ट, नपिण, समृद्ध, आम आदमी था। नहेमायाह, आप आम लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, यह एक उपदेशक के बारे में किताब नहीं है, एक पुजारी के बारे में किताब नहीं है, एक भविष्यवक्ता के बारे में किताब नहीं है। वह एक आम आदमी है। यह सही है, और वह एक बहुत अमीर आम आदमी है, और मैं सप्ताह के अंत से पहले यह साबित कर दूंगा। उसके पास वह सब कुछ था जो वह चाहता था: पद, धन, आराम। उसे एक बंधन में जकड़े हुए की तस्वीर न लें, वह ऐसा नहीं

था। वह दानयिगेल से जूयादा बंधन में नहीं था। वह एक असाधारण और बहुत ही असाधारण आध्यात्मिकि व्यक्तिथा। और वह बताता है कउसके साथ क्या हुआ। यह दानयिगेल का रकिॉर्ड नहीं है, जसिने अपनी युवावस्था में अपने दिलि में यह नश्चय कयिा था कविह राजा के मांस से खुद को अशुद्ध नहीं करेगा। यहाँ एक परपिक्व व्यक्ति है। वह आप में से बहुतों की तरह है। और यहीं से हम उसकी कहानी शुरू करते हैं, एक बच्चे के रूप में नहीं, एक युवा व्यक्तिके रूप में नहीं, बल्कएक नपिण उत्कृष्ट नेता के रूप में। हमारे प्रभु के नेतृत्व के अलावा, मुझे यकीन है कनिहेमयिा में नेतृत्व के सबक शायद इस आदमी के जीवन से सभी शास्त्रों में कसिी भी अन्य व्यक्तिकी तुलना में अधिकि हैं।

यदि आप में से कोई भी नेतृत्व का अध्ययन करना चाहता है, तो नेहेमिया का अध्ययन करें। मुझे उम्मीद है कि मैं सप्ताह के अंत से पहले आपको इसके बारे में समझा पाऊंगा।

ठीक है, तो अब हमें सेटिंग मलि गई है, है न। अब इस सेटिंग में क्या हुआ, बाइबल कहती है "वह हनानी, मेरा एक भाई," श्लोक दो, "वह और यहूदा के कुछ लोग यरूशलेम से आए और मैंने उनसे उन यहूदियों के बारे में पूछा जो बच गए थे, और जो बंदी बनाए गए थे, और यरूशलेम के बारे में" (नेह.1:2)। अब, जाहरि है कनिहेमायाह का सगा भाई, किसी अन्य व्यक्ति के साथ, यरूशलेम गया था और उन दिनों में यह एक लंबी यात्रा थी। उस यात्रा का एक रिकॉर्ड चार महीने का था। अब वे फारस की राजधानी में वापस आ गए हैं और यहाँ ऐसे लोग थे जो पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों के आध्यात्मिक कल्याण के बारे में चिंतित थे, या चिंतित होने चाहते थे, उनमें से अधिकांश नहीं थे। उनमें से अधिकांश फारस में काफी व्यवस्थित और आरामदायक थे। और नेहेमायाह ने इसके बारे में पूछताछ की, वह जानना चाहता था कि क्या हो रहा था। उसे स्थिति के बारे में ईश्वरीय चिंता थी।

जो समाचार उसे दिया गया वह क्या था, आयत 3, "और जो लोग या जो लोग उस प्रान्त में बन्धुए होकर रह गए हैं वे बड़े क्लेश और नन्दिता में हैं; यरूशलेम की शहरपनाह भी ढा दी गई है, और फाटक टूट गए आग से जला दिया गया" (नेह. 1:3)। अब मैं लगभग हर श्लोक से एक घंटा निकाल सकता था। मैं इसे पाँच शक्तिषण अवधियों में कर रहा हूँ, जब मैं पादरी था तब मुझे अपने चर्च में साढ़े चार महीने लगे थे। तो आप जानते हैं कि मुझे कुछ छोड़ना होगा, लेकिन श्लोक तीन के जोर पर ध्यान दें, यह पहले लोग थे फरि ईटें। यह सुवधि से पहले लोगों का कार्य था। यह नरिमाण पर जोर नहीं था,

यह लोगों के बीच आध्यात्मिक कार्य पर जोर था।

"आध्यात्मिक जागृतिकी तैयारी में यरूशलेम की दीवारों का पुनर्निर्माण"

अब मेरी न्यू स्कोफील्ड रेफरेंस बाइबलि के शीर्ष पर, आपके पास हमेशा एक थीम होती है और मैं इस न्यू स्कोफील्ड रेफरेंस बाइबलि की थीम से असहमत हूँ। इसलिए नहीं कि इसमें जो कहा गया है उससे मैं असहमत हूँ, बल्कि जो यह नहीं कहता उससे मैं असहमत हूँ। वषिय कहता है, "यरूशलेम की दीवार का पुनर्निर्माण"। आप कहते हैं, "खैर इसमें गलत क्या है?" कुछ नहीं! सवाय इसके कि यह अधूरा है. दीवार को पूरा करने में केवल 52 दिन लगे

। नहेमायाह का कार्यकाल, जसि अवधिका हम अध्ययन करेंगे उसमें 12 वर्ष लगे। दो महीने और 12 साल के बीच काफी तुलना है। और यदि आप अपने संडे स्कूल त्रैमासिकि में पढ़ते हैं तो आप पाएंगे कि नहेमायाह को एक गौरवशाली अनुबंधित व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया है, वह एक ईंट निर्माता या दीवार निर्माता है। अब वह वह था, लेकिन वह केवल संयोगवश कुछ बड़ा करने के लिए था। इसलिए मैंने इसमें जोड़ा है, शायद मैं समिति को लखूंगा और सुझाव दूंगा। मेरा विषय न केवल, "यरूशलेम की दीवारों का पुनर्निर्माण" है, बल्कि, "आध्यात्मिक जागृति की तैयारी में येरूशलेम की दीवारों का पुनर्निर्माण" भी है।

यह खूबसूरत सभागार सिर्फ लकड़ी, गारा, कांच और धातु का है। इस कमरे में मसीह के प्रत्येक विश्वासी का, जब मैं आज सुबह उपदेश दे रहा हूँ, स्वर्गारोहण हो जाए तो वह चला जाएगा। तथास्तु? तथास्तु। यह सभागार अब भी यहीं रहेगा। यह बस हमें गर्मियों में धूप से बचाने और आरामदायक रखने के लिए, और सर्दियों में बर्फ और बारिश से दूर रखने के लिए है, जबकि हम एक आध्यात्मिक कार्य कर सकते हैं। और वैसे, आपका चर्च भवन भी इतना ही है। उस लकड़ी के बारे में जंगल से बाहर निकाले गए किसी भी अन्य लकड़ी के टुकड़े से अधिक पवित्र कुछ भी नहीं है। यह पवित्र डेस्क नहीं है। एकमात्र चीज जो इसे इस तरह बनाती है, वह यह है कि यह परमेश्वर के डरे हुए वचन को कायम रखती है, और यदि आप चाहें तो आप इसे कुर्सी पर भी कर सकते हैं। मैं सुविधा पर जोर और कामकाज पर जोर देने से एक तरह से तंग आ गया हूँ। लोग मुझे वहाँ के सुन्दर, सुन्दर, सुन्दर चर्चों के बारे में बता रहे हैं। मैं सुन्दर चर्चों के खिलाफ नहीं हूँ, लेकिन एकमात्र कारण यह है कि आपके पास एक सुन्दर इमारत है इसलिए इसके साथ कुछ करें। लोगों को मसीह के प्रति जीतने का प्रयास करें। आपको

यह इसी लिये मला है। भगवान का शुक्र है कि यह खूबसूरत वास्तुकार है, इस खूबसूरत जगह के लिए भगवान का शुक्रिया, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं है जब तक कि हम वह नहीं कर रहे जो हम अभी कर रहे हैं: भगवान के वचन को पढ़ना। इसलिए यहां गलत जोर मत दीजिए. अपने मन में केवल दीवार निर्माण का विचार न रखें। नहेमायाह की क़िताब में दीवार निर्माण से भी बड़ा कुछ है, ठीक है? वह अवशेष है, लोग, फिर दीवार, फिर द्वार।

नहेमायाह की प्रतिक्रिया

ठीक है, अब "नहेमायाह की प्रतिक्रिया।" वह अपने कंधों को थोड़ा सा हिला सकता था, और कह सकता था, "बहुत बुरा। यहाँ मैं एक बंदी लोगों का बंदी हूँ। यहाँ मैं उस जगह से सैकड़ों मील दूर हूँ जहाँ मेरी विशेष रुचि है। मैं क्या कर सकता हूँ?" बहुत से लोग इस तरह से व्यवहार कर रहे हैं। बहुत से लोगों ने वास्तव में ज़रूरत का निर्धारण किया है, लेकिन इसके बारे में कुछ नहीं किया है। नहेमायाह नहीं। अब पद चार में देखें, नहेमायाह की ईश्वरीय चिन्ता, "और ऐसा हुआ कि जब मैंने ये शब्द सुने, तो मैं बैठ गया और क्या? रोया, और विलाप किया, और उपवास किया, और प्रार्थना की" (नहेमायाह 1:4)। उस पद में बहुत कुछ है, है न? अमेरिकी कट्टरवाद ने लगभग उपवास का भाग खो दिया है। लेकिन क्या आपको कभी विश्वास नहीं होता कि दुनिया भर में मसीह के शरीर ने उपवास का भाग खो दिया है। मैं आपको मशिन कक्षेत्रों में ले जा सकता हूँ जहाँ आध्यात्मिक खोज के लिए तथाकथित आवश्यक भोजन अलग रखा जाता है। मैं आपको उन जगहों पर ले जा सकता हूँ जहाँ विश्वासी वह सब कुछ लेते हैं जो उनका है और परमेश्वर के सत्य को पाने के लिए उसे छोड़ देते हैं। खाने में कुछ भी गलत नहीं है। सोने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन आध्यात्मिक सत्य की पंक्ति में कुछ और भी बड़ा है, और वह है कुछ और अधिक महत्वपूर्ण कार्य करना: परमेश्वर के उद्देश्यों की आध्यात्मिक खोज, यह नहेमायाह है। इसने उसका दिल तोड़ दिया।

किसी ने कहा, मुझे लगता है कि यह महान व्याख्याता, महान मैकलेरन थे, जिन्होंने कहा था, "कोई भी व्यक्ति जब तक सफलतापूर्वक दीवारें नहीं बनाता जब तक वह खंडहरों पर रो नहीं लेता"। धर्मत्याग का यह दिन आपके लिए क्या करता है? जब मैं फ़्लिडेल्फ़िया में पादरी था, तो फ़िली में हमारी रविवार की रात की सेवा सबसे बड़ी थी। हजारों-हजारों सेवाकार्मियों को उन सभागारों में लाया गया; उनमें से सैकड़ों को मसीह के

पास जीत लिया गया। लोग मेरे पास आते थे और कहते थे, "क्या यह महान जैक नहीं है", और उन्हें मुझसे वह प्रतिक्रिया नहीं मिली जिसकी उन्हें अपेक्षा थी। मैं कहूँगा, "हाँ यह है। यह अद्भुत है, लेकिन क्या यह दुखद नहीं है कि 50 साल पहले फिलाडेल्फिया में सैकड़ों चर्च थे, जो ऐसा कर रहे थे, लेकिन आज रात सेवा छोड़ने के बाद आप ब्रॉड स्ट्रीट या मार्केट स्ट्रीट पर या चेस्टनट स्ट्रीट या वॉलनट स्ट्रीट पर ड्राइव कर सकते हैं, और महान, महान सुवर्धिएं देखें, लेकिन प्रार्थनाओं और बलिदानों और भगवान के लोगों के उपहारों से, जिनके पास रविवार की रात को शायद ही रोशनी होती है। सही? जी हाँ। यह आपके लिए क्या करता है? तो क्या हुआ? क्या यह बहुत बुरा नहीं है, यह एक अलग दिन है। नहेम्याह ने नहीं, इसने उसका

दलि तोड़ दिया। आपको हमारे चारों ओर मौजूद भयानक आध्यात्मिक स्थितियों पर रोते हुए कतिना समय हो गया है? आपको वास्तव में परमेश्वर के कार्य की स्थिति पर शोक मनाते हुए कतिना समय हो गया है? कतिना समय हो गया है जब से आपने कोई ऐसी चीज़ छोड़ी है जो वास्तव में आपकी है? उस चीज़ को पाने के लिए जो किया जाना चाहिए?

नहेमायाह की प्रार्थना

नहेमायाह की प्रार्थना। अब मैं इस व्यक्ति नहेमायाह के बारे में कुछ कहना चाहता हूँ। आप जानते हैं कि मैं स्वर्ग में जाकर बहुत अच्छा समय बताना चाहता हूँ और मैं नहेमायाह के साथ बहुत समय बताने वाला हूँ। मैंने इतने सालों से उसके बारे में बहुत कुछ कहा है और मैं ऐसी बहुत सी बातें जानना चाहता हूँ जो मुझे नहीं पता कि परमेश्वर ने प्रकट करने का चुनाव क्यों नहीं किया। जब मैंने इस व्यक्ति के बारे में कुछ कहा। अब मैं कुछ शब्द पढ़ना चाहता हूँ, मैं आमतौर पर अपने नोट्स से नहीं पढ़ता, लेकिन मैं कुछ शब्द पढ़ना चाहता हूँ जो मैंने यहाँ लिखे हैं। "नहेमायाह के बारे में यह सच में कहा जा सकता है कि पहाड़ पर उसे जो चीज़ें दिखाई गईं, उनके बारे में कहा जाता है कि लोग पहाड़ों पर नहीं चढ़ते, वे समतल ज़मीन और पगडंडी पर चलते हैं। इसलिए जो कोई भी चढ़ता है, वह दुनिया को अपने पास ले लेता है, और यीशु ने इस रहस्य का लगातार उपयोग किया। समय और स्थान के एकांत के बिना, किए जाने वाले काम का कोई भी महान दृष्टिकोण कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता। यह वह स्थान है जहाँ मनुष्य शोरगुल और दुनिया के शोरगुल से ऊपर उठता है जहाँ उसे पैटर्न के दायरे में उठाया जाता है और उसे वास्तविक बनाया जाता है। आज बहुत सारा काम उथला है क्योंकि इसे कभी भी पहाड़ पर प्रार्थना करके और सोच-समझकर नहीं किया गया। मूसा के बारे में वह कथन याद है? पहाड़ में पैटर्न। मूसा ने तम्बू में जो कुछ भी किया, वह वही था

जो उसे पहाड़ पर दया गया था। वह दर्शन के पहाड़ों से घाटी के मैदानों तक आया और उसे क्रयान्वति कया।"

अब हम आज सुबह नेहेमया और दर्शन के पहाड़ों के बारे में बात कर रहे हैं। आप जानते हैं क आजकल अगर कोई बच्चा मैदान में जाता है और अपनी पीठ के बल लेट जाता है और घास का तनिका खींचता है और उसे अपने दांतों में चुभोता है और बादलों को जाते हुए देखते हुए 15 मिनट तक ऐसा करता है, तो उसके माता-पिता मनोचकित्सक को बुलाते हैं। लोग

अकेले रहने से डरते हैं। वे हर किसी की तरह व्यवहार करना चाहते हैं। एक व्यक्ति के रूप में आपके पास एक ईश्वर प्रदत्त भाग्य है जिसे केवल आप ही पूरा कर सकते हैं। मुझे परवाह नहीं है कि आप कौन हैं। मुझे परवाह नहीं है कि आप लाल या पीले या काले या सफेद हैं। मुझे परवाह नहीं है कि आप अमीर हैं या गरीब। मुझे परवाह नहीं है कि आप युवा हैं या बूढ़े। ईश्वर ने आपके लिए एक विशेष कार्य रखा है और आप ही एकमात्र व्यक्ति हैं जो यह पता लगाने जा रहे हैं कि वह क्या है। और ईश्वर आपको यह पता लगाने और इसे करने में मदद करता है।

मेरे पांच बच्चे हैं, वे सभी अलग-अलग हैं, हमारे बीच कोई भेदभाव नहीं है। वे सभी पाँच कॉलेज गए, लेकिन उनमें से प्रत्येक एक अलग कॉलेज में गया। ऐसा ही है। मुझे लगता है कि उनमें से प्रत्येक भगवान की इच्छा से उस कॉलेज में गए। वे सभी बहुत, बहुत अलग हैं। भगवान के सभी बच्चे बिल्कुल अलग हैं, और भगवान के पास आपके लिए जगह है। हम एक आदमी के बारे में बात कर रहे हैं और इस एक आदमी से हम उसकी नयिता प्राप्त करने जा रहे हैं, लेकिन आप भगवान के लिए नहेमायाह के समान ही महत्वपूर्ण हैं। तुमने मुझे सुना? आप प्रभु के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना कि कोई भी, यहां तक कि भूला हुआ अहीतोपेल भी, यहां तक कि भूला हुआ डेवडि भी नहीं, यहां तक कि प्रमुख नहेमायाह भी। भगवान के पास आपके लिए जगह है। अब मैं इस पुस्तक से कुछ सिद्धांत सुझाने जा रहा हूँ कि कैसे आप, नहेमायाह की तरह, वह सब पूरा कर सकते हैं जो ईश्वर ने आपके लिए रखा है। अब मुझे लगता है कि अगर मैं इसे पूरा कर सका, तो यह एक बहुत ही सफल सप्ताह होगा। तथास्तु? तथास्तु।

आप एक युवा साथी को जानते हैं, मुझे लगता है कि मैंने आपको एक अन्य संदेश में इसका उल्लेख किया था, एक युवा साथी कोलंबिया, दक्षिण कैरोलाना से मेरे पास आया

और उसने कहा, "क्या आप मुझे याद करते हैं? और मैंने उसकी ओर देखा और मैंने कहा, "नहीं, मैं तुम्हें याद नहीं करता"। उन्होंने कहा, "तीन साल पहले आपने मुझे पूरी तरह आश्वस्त कर दिया था कि भगवान को मुझमें रुचि है। मैंने आपकी बात पर विश्वास किया. मैं अब मंत्रालय की तैयारी कर रहा हूँ।" तथास्तु। काश मैं हर किसी को आश्वस्त कर पाता। ईश्वर उनमें अत्यंत रुचिरिखता है और उनके लिए एक अनोखा, विशिष्ट, रोमांटिक, साहसिक जीवन रखता है। काश मैं हर किसी को इसके बारे में आश्वस्त कर पाता। शायद मैं इस सप्ताह आपमें से कुछ को मना सकूँ।

यहाँ नहेमायाह आ रहा है। ठीक है, अब वह क्या करने जा रहा है? खैर, वह प्रार्थना करने जा रहा है। नहेमायाह की प्रार्थना, चार शब्द थे जिन्हें मैंने आज सुबह बोर्ड पर लिखा था। "बुलाओ", हर कोई, इसे कहो, "स्वीकार करो", "दावा करो", और "प्रतिबद्ध रहो"। अब यह

अध्याय 1 के श्लोक 5-11 की एक बहुत ही सरल शब्द रूपरेखा है। हम अब इसे वभाजति करने जा रहे हैं, और मुझे आशा है कि आपको यह पसंद आएगा और मुझे आशा है कि आप इसमें गहराई से उतरेंगे और यह कई अन्य पुस्तकों में आपका काम शुरू करेगा। क्योंकि मैं जो कुछ भी कर रहा हूँ वह केवल यहाँ जो है उसे प्रकट करना है। मैं कुछ ऐसा लाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ जो यहाँ नहीं है। और अगर मैं ऐसा करता हूँ तो मैं चर्चों में अपने लोगों से कहता था, मैं चार अलग-अलग चर्चों का पादरी था, अगर उन्होंने उस मंच से कुछ भी सुना जो परमेश्वर के वचन के विपरीत था, तो उन्हें खुली बाइबिल के साथ गलियारे में मुझसे मलिन था। आमीन, और मुझे चुनौती दें। मुझे यह प्रकट करने का अधिकार है कि परमेश्वर ने क्या प्रकट किया है और यह संपूर्ण है।

बुलाओ

अब हम चलते हैं, कॉल करते हैं। मुझे उस प्रार्थना के पहले डेढ़ छंद पढ़ने दीजिए। श्लोक संख्या 5, और फिर श्लोक संख्या छह, इसके पहले भाग में, "और कहा, हे स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा, मैं तुझ से वनिती करता हूँ, महान और वसिमयकारी परमेश्वर, जो उन लोगों के लिए वाचा और दया रखता है जो उससे प्रेम करते हैं और उसका पालन करते हैं आज्जाएँ. अब तू कान लगाए, और अपनी आंखें खुली रखे, कित्ते अपने दास की प्रार्थना सुन सके, मैं दनि रात तेरे साम्हने प्रार्थना कयि करता हूँ" (नेह. 1:5)। नहेमायाह ने परमेश्वर को पुकारा। मैं आपको नहेमायाह के धर्मशास्त्र के गहन अध्ययन के लिए आमंत्रति करता हूँ। वह किसी स्वर्गीय चाचा से बात नहीं कर रहा है। वह किसी बड़े भाई के पास ऊपर नहीं ले जा रहा है। वह किसी सर्वव्यापी मतिर से बात नहीं कर रहा है। वह अनन्त भगवान से बात कर रहा है. "ईश्वर एक आत्मा है, अनंत,

शाश्वत, अपरविरतनीय; उसके अस्तित्व में ज्ञान, शक्ति, पवित्रता, न्याय और सत्य है।" आप नहेमायाह द्वारा अपने परमेश्वर को दिए गए संबोधन में कुछ भी घटिया नहीं पाएंगे। वह वसिमयकारी ईश्वर है। वह ब्रह्मांड का निर्माता है। वह ऊँचा और उठा हुआ है। आज हमारे अपने बारे में इतना ऊँचा दृष्टिकोण रखने का कारण यह है कि हम ईश्वर के बारे में इतना निम्न दृष्टिकोण रखते हैं। यशायाह ने कहा, "मैंने प्रभु को ऊँचा देखा और ऊपर उठा लिया और उसकी ट्रेन ने मंदिर को भर दिया"। हमें धर्मशास्त्र के पुनरुद्धार की आवश्यकता है, इससे मेरा तात्पर्य पवित्र आत्मा पर सभी महान शक्तिशाली के लिए ईश्वर की स्तुतिकरना है। ईसाई धर्म पर सभी केंद्रीय शक्तिशाली के लिए भगवान की स्तुतिकरो, लेकिन याद रखें कि बाइबिल भी धर्मशास्त्र की एक पुस्तक है, स्वयं भगवान। अब मेरा इरादा किसी भी अर्थ में त्रिमूर्तिको अलग करने का नहीं है, बल्कि जोर ईश्वर पर है, हमारे ईश्वर पर है, और इस मनुष्य की उसकी उपस्थिति में रहने की अयोग्यता पर भी है। लेकिन यह उसे याद दिलाता है कि वह किस चीज़ का भगवान है? वादों को नभाना, ईश्वर को नभाने हुए एक वाचा ।

और वह भगवान है क्या? इश्क़ वाला। आप उपदेशक कहते हैं कनिया नयिम। मेरे पास आपके लिए खबर है। वह शाश्वत सत्य है। नसिंदेह, इसका उदाहरण उस व्यक्त में दिया गया है जो प्रेम है, मसीह और सभी पत्नी शिक्षाओं में इसका वसितार किया गया है। बाइबल सिखाती है, "तुम्हें अपने परमेश्वर यहोवा से पूरे दिल से प्रेम करना चाहिए।" बाइबल सिखाती है, "तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना।" और यह नये नयिम के लिए आरक्षित नहीं है, यह नहेमायाह की पुस्तक में मौजूद है। परमेश्वर ने नहेमायाह से प्रेम किया और नहेमायाह ने परमेश्वर से प्रेम किया। प्रभु से प्रेम करना कोई नई बात नहीं है। नहेमायाह प्रभु से प्रेम करता था और इसीलिए वह यहाँ आया था।

आप जानते हैं ककिभी-कभी वे मुझे एक प्रचारक के रूप में आयात करते हैं और वे सोचते हैं कजैक के पास अपने संक्षिप्त मामले में वह सब कुछ है जो आध्यात्मिक जागृतिलाने के लिए आवश्यक है और यह दृष्टिकोण के बारे में है, आप जानते हैं कि हमें एक अद्भुत नेता मिला है। सुनो, पुनरुद्धार किसी मनुष्य द्वारा नहीं किया जाता है, यह ईश्वर द्वारा भेजा जाता है। यह मनुष्य द्वारा उत्पन्न नहीं है, यह ईश्वर द्वारा भेजा गया है। नहेमायाह ने वहीं से आरंभ किया जहाँ उसे आरंभ करना चाहिए था, परमेश्वर के साथ; आप बेहतर नहीं कर सकते। "पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी" (मत्ती 16:33)। यह उचित प्राथमिकता है, है ना?

स्वीकारोक्ति

ठीक है, फिर क्या होगा? खैर, उसने खुद को वैसा ही देखा जैसा वह वास्तव में था। आप इस स्थान पर मौजूद हर दूसरे ईसाई से अपनी तुलना कर सकते हैं और उनमें से

कुछ से थोड़ा बेहतर निकल सकते हैं, शायद उन सभी से, मैं नहीं जानता। लेकिन आपका काम यह देखना नहीं है कि आप किसी और के बराबर हैं या नहीं। यह जो मन है, वह भी किसमें था? जब यशायाह ने वह ऊँचा और ऊंचा दर्शन देखा, तो कहा, मैं किस जात का मनुष्य हूँ? मैं अशुद्ध होठों वाले लोगों के बीच में रहता हूँ, क्योंकि मेरी आंखों ने राजा को देखा है।" (ईसा. 6:5) अब हम देखते हैं कि निहेमायाह खुद को देख रहा है जैसे उसे खुद को देखना चाहिए था और उसने क्या शुरू किया? उसके पापों को स्वीकार करो। उसने कहा, "अपने दास इस्राएल के पुत्रों के पापों को स्वीकार करो, जो हम ने तुम्हारे वरिद्ध किए हैं; हम ने और मेरे पति के घराने दोनों ने तुम्हारे साथ बहुत बुरा काम किया है। और जो आज्ञाएं, वधियां, और

नयिम तू ने अपने दास मूसा को दी थीं, उन को तुम ने नहीं माना। लोगों" (नेह. 1:6-8) हमें नजिी स्वीकारोक्तिके पुनरुद्धार की आवश्यकता है, परत्येक आस्तिकि को ईश्वर के समक्ष अपने वचिार, शब्द और कारय को स्वीकार करना होगा कसिी अन्य व्यक्ती के साथ अन्याय या गलती होने पर हमें उस व्यक्तीके पास जाना चाहिए और माफी मांगने के लिए तैयार रहना चाहिए, खुद को नम्र बनाना चाहिए और एक-दूसरे के सामने कबूल करना चाहिए। और फरि सार्वजनकि स्वीकारोक्तिहोती है जैसा कहिम नहेमायाह की पुस्तक में पाएंगे। जहां भीड़ का पहलू पाप था और स्वीकारोक्तिभी, जैसे उन्होंने कबूल कयिा और सही हो गए। मैं इस तरह की बैठकों में रहा हूँ, बहुत अच्छी बैठकें। मैं 12 घंटे की बैठकों में रहा हूँ, जहां लोग पूरे इकट्ठे चर्च के साथ सही तरीके से जुड़ने का मौका पाने के लिए दो घंटे तक खड़े रहे। मैं उन दृश्यों को कभी नहीं भूलूंगा और मैं उनके लिए भगवान का शुक्रयिा अदा करता हूँ। यह स्वीकारोक्ति है।

दावा

लेकनि एक मनिट रुकें, जल्दी से आगे बढ़ें, शब्द है "दावा कयिा गया।" आप कहते हैं, "लेकनि उपदेशक, वास्तव में, मैं प्रार्थना कर रहा हूँ और परमेश्वर से सच्ची बाइबलि जागृतीके लिए पूछ रहा हूँ, और मैंने कबूल कयिा और जहाँ तक मुझे पता है मैंने सब कुछ खून के नीचे रख दयिा है, और मैं परमेश्वर के साथ सही हूँ। मैं मनुष्य के साथ सही हूँ। मैं परपूरण नहीं हूँ। मुझे माफ़ कर दयिा गया है और मैं शुद्ध हो गया हूँ, लेकनि मैंने यह कयिा है। और फरि आप रुक गए हैं और आपने जल्दी ही रुक गए हैं। क्यों? पुनरुद्धार में अगला कदम, याद रखें, नहेमायाह एक ऐसा व्यक्ती है जसिने पुनरुद्धार के लिए प्रार्थना की और उसे प्राप्त कयिा। उसका अनुसरण करना चाहते हैं? यहाँ हम शब्द दावा करते हैं, अगली आयत में देखें, "लेकनि अगर तुम मेरी ओर फरिी, और मेरी

आज्जाओं को मानो और उनका पालन करो; चाहे तुम में से कोई आकाश की छोर तक नकिल दया जाए, तौभी मै उन्हें वहाँ से इकट्ठा करूँगा, और उस स्थान पर पहुँचाऊँगा जसि मैने अपना नाम रखने के लिए चुना है" (नहे. 1:8-9)। इसका क्या मतलब है जैक? इसका अर्थ यह है कि, परमेश्वर ने कहा, "यदि तुम पाप करोगे तो मै दण्ड दूँगा, परन्तु परमेश्वर ने यह भी कहा, यदि तुम आज्जा मानोगे तो मै आशीर्वाद दूँगा।"

एक छोटी सी दैनिकि भक्तिपुस्तक में, जसि आप तब भी सराहेंगे जब आपका दिल टूटा हुआ हो। रेगसितान में धाराएँ, आपको एक ऐसा वाक्य मलैगा जो

पूरी कतिब के बराबर है। यह कहता है, "जब हम आज्ञा पालन करना शुरू करते हैं, तो भगवान आशीर्वाद देना शुरू कर देते हैं"। मेरे साथ कहिए, "जब हम आज्ञा पालन करना शुरू करते हैं, तो भगवान आशीर्वाद देना शुरू कर देते हैं।" अब यह कोई अजीब सच्चाई नहीं है। यह वजियी जीवन जीने का कोई गहरा पहलू नहीं है। यह सब शास्त्रों में है, यह एक आधारभूत सत्य है। इस कमरे में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो ईसाई होने का दावा करता हो, जो बाइबलि के अधिकार के बिना ईसाई होने का दावा कर सकता हो। आप मेरे पास आकर कह सकते हैं, क्या, अब यह मत सोचिए कि मैं आलोचनात्मक हो रहा हूँ, मैं हूँ। मेरे पास आकर यह मत कहिए, "मैं ईसाई हूँ क्योंकि मेरे दिल में यह भावना गहराई से है", वैसे मेरे साथ भी ऐसा कई बार हुआ है, हालाँकि यह हमेशा नहीं होता, क्या इसका मतलब यह है कि मैं खो गया हूँ? एक छोटा लड़का मेरी एक मीटिंग में आया और मैंने पूछा, बेटा तुमने क्या किया, "मैंने अपना दिल खोला और प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया"। बढ़िया। क्या तुमने उसे अपने दिल में आने के लिए कहा? तुम्हें कैसे पता चला? "मैं अंदर से पूरी तरह से साफ महसूस करता हूँ"। मैं उस लड़के को अकेला नहीं छोड़ सकता था। क्यों? कल सुबह उसे अंदर से पूरी तरह से गंदा महसूस हो सकता है। क्या इसका मतलब है कि वह कल सुबह खो गया और आज सुबह बचा लिया गया? नहीं, मुझे उसके पास वापस आना पड़ा और पूछा बेटा तुम्हें कैसे पता? खैर उसने कहा, "प्रभु कहते हैं, अगर मैं दरवाजे पर खड़ा होकर दस्तक देता हूँ तो वह मेरी आवाज़ सुनेंगे और कहेंगे कि अंदर आओ"। तुम्हें कैसे पता बेटा? खैर मुझे पता है, मैंने कहा, "क्या तुमने यीशु को अपने दिल में आने के लिए कहा है?" तुम्हें कैसे पता चला कि वह अंदर आया? उसने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मैं उसके चर्च में आने वाला सबसे बेवकूफ व्यक्ति हूँ। सच में मेरा यही मतलब है। उसने मेरी तरफ देखा, मेरी बेटी

सारा उसे मेरे पास लेकर आई थी जब उसने उससे सलाह ली थी। उसने मेरी तरफ़ देखा और कहा सर, "वह मेरे दिल में आया क्योंकि उसने कहा था कविह आएगा, और वह कभी झूठ नहीं बोलता"। लड़के ने कहा, "वश्वास सुनने से आता है, और सुनना परमेश्वर के वचन से होता है।" यह आयत यह नहीं है कि "वश्वास भावना से आता है।" पुराने नियम में केवल एक व्यक्ति है जिसने भावना पर भरोसा किया और वह गलत था। और वह इसहाक था, उसने गलत लड़का महसूस किया। आप इस पर जतिना चाहें उतना सोच सकते हैं। भावना बहुत, बहुत अनश्चिति हो सकती है। हाँ, यह हो सकती है। अब जब हम इस सत्य को स्वीकार करते हैं कि शास्त्रों का दावा करके ईसाई जीवन की शुरुआत करें, यही हमारे उद्धार का आधार है। उसके बाद हम इसे क्यों त्याग देते हैं? क्यों नहीं ईसाई जीवन जीने के साथ-साथ ईसाई जीवन जीने का दावा भी करते हैं? आपका क्या मतलब है उपदेशक? ठीक है, अगर शास्त्र का एक श्लोक

आपको नरक से बचाने के लिए पर्याप्त है, तो हर बार जब आप पुस्तक पढ़ते हैं तो यह आपको वजियी रूप से जीने के लिए पर्याप्त होना चाहिए। आइए हम परमेश्वर के सत्य को न त्यागें। यह एक पुराना सत्य है, यह ईसाई जीवन जीने का कोई नया पहलू नहीं है। नहेमायाह ने कहा प्रभु, आपने कहा कि अगर हम पाप करेंगे तो आप हमें दण्डित करेंगे, लेकिन आपने यह भी कहा कि अगर हम आज्ञा का पालन करेंगे तो आप हमें वापस लाएंगे, और मैं आपको इसके लिए बाध्य करने जा रहा हूँ। जब मैं यह कहता हूँ तो मैं असम्मानजनक नहीं हो रहा हूँ। "वश्वास, महान वश्वास, वादे केवल ईश्वर की ओर देखते हैं, असंभवताओं पर हँसते हैं और चलिलाते हैं कि यह हो जाएगा। और चलिलाते हैं कि यह हो जाएगा, यह हो जाएगा। और चलिलाते हैं कि यह हो जाएगा। असंभवताओं पर हँसते हैं और चलिलाते हैं कि यह हो जाएगा।" क्यों? ईश्वर ने ऐसा कहा। और यहाँ एक व्यक्ति है जो उस स्थान से सैकड़ों मील दूर है जिसे वह आशीर्वाद देना चाहता है, एक बंदी, असंभव। नहीं यह असंभव नहीं है मैं ईश्वर के वादों का दावा करने जा रहा हूँ।

मैं आपको एक छोटा सा उदाहरण देता हूँ, आप जानते हैं कि मुझे हास्य की अद्भुत भावना है। वर्षों पहले, मैं ट्रेनों के बीच में न्यूयॉर्क में रुकता था, अब हम ऐसा नहीं करते हैं, लेकिन पुराना थर्टी-फोर्थ स्ट्रीट स्टेशन, मुझे वहाँ जाने में कभी कोई आपत्त नहीं थी। वास्तव में, मुझे अब भी पुरानी रेलगाड़ियाँ पसंद हैं, लेकिन वैसे भी, मैं वहाँ बैठता था और टिकट कार्यालयों और कॉनकोर्स के बीच दरवाजों की एक पूरी कतार थी, और ये सभी दरवाजे, उस दिन, उस छोटी सी ट्रेन द्वारा खोले जाते थे प्रकाश करिण, याद है? आपके पास वह छोटी सी प्रकाश करिण कैसे थी और जब आपने उस प्रकाश करिण को तोड़ दिया तो क्या हुआ? दरवाजा खुल गया। व्यावहारिक रूप से यहाँ हर कोई ऐसे दरवाजे से होकर गुजरा है। लेकिन मैं उन दरवाजों से आते-जाते लोगों को

देखता था, उनमें से बीस लोग समागम के पार जाते रहे होंगे। और पहली बात, देखिए, मुझे हास्य की भावना है, पहली बात जसिने मुझे खुश किया वह यह कि जब वे वहां से गुजरे तो इतने सारे लोगों ने उनका अभिवादन किया। क्या? उन्हें विश्वास नहीं था कि चीजें काम करने जा रही हैं, और फिर जैसे ही उन्होंने उस छोटी सी प्रकाश करिण को तोड़ा, दरवाजा बुरी तरह से धड़ाम हो गया, और आपने देखा होगा कि उन्होंने कतिनी तेजी से अपना हाथ बाहर निकाला। इस तरह हवा में हाथ रखकर घूमना मूर्खतापूर्ण है, लेकिन उन्हें वास्तव में विश्वास नहीं था कि यह काम करने वाला है। उन्हें कुछ छूना था, उन्हें क्या छूना था? इसे महसूस करें। लेकिन यह काम कर गया। फिर मुझे टर्नपाइक टॉयलेट में जाकर हाथ धोने और तौलिये की तलाश करने की याद आती है। कोई तौलिये नहीं। दुनिया में यह कैसा शौचालय है?

उन दानियों दीवार पर एक सफेद बक्सा लगा होता था जिस पर लिखा होता था , "हाथ सुखाने के लिए हाथों को बक्से के नीचे रखें।" किसी ने डबिबे के नीचे हाथ सुखाने के बारे में सुना है? आप स्वयं को मूर्ख नहीं बनाना चाहते थे इसलिए आपने यह देखने के लिए चारों ओर जाँच की कविहाँ कोई और तो नहीं है। नश्चिती रूप से उस छोटे सफेद बक्से के ठीक नीचे प्रकाश की वह छोटी सी करिण थी और जैसे ही आपने अपने हाथ वहाँ ऊपर बढ़ाए, झझझहहहह। आपको वह सारी गर्मी मलि गई जो आप चाहते थे। काम कयिा ना? लेकिन आप पूरे दनि वहां खड़े रह सकते हैं और कह सकते हैं कि मुझे इस पर वशिवास नहीं है। मैं इस पर वशिवास नहीं करता. और आप इसे कभी साबति नहीं कर सके, कभी इसका दावा नहीं कर सके। लेकिन सबसे अच्छा है पीने का फव्वारा। आगे बढ़ने के लिए कुछ भी नहीं. पलटने को कुछ नहीं, बस कहता है, "पी लो"। उस फव्वारे के ठीक ऊपर प्रकाश की वह छोटी सी करिण है। अब तुम चारों ओर देखो, देखो कि कोई तुम्हें देख रहा है या नहीं। कौन सूखी नोजल चूसते हुए पकड़ा जाना चाहता है? लेकिन नश्चिती रूप से, जैसे ही आप अपना वह पुराना स्नेज़ नीचे गरिते हैं, वूलोल्वो। अधकिांश समय आप ऊपर जाते थे और देखते थे और पहले अपना हाथ ऊपर रखते थे और उसे गीला कर लेते थे। जब तक आप इसका पालन नहीं करेंगे, आपको यह कभी नहीं मलिगा। अब आपमें से कुछ लोगों को यह कभी नहीं मलिगा, जब तक कि आप इस पर वशिवास न करें,

यदि आज यहां कोई प्रयि व्यक्ति है जिसने कभी मसीह पर भरोसा नहीं कयिा है, तो आपको कभी भी मुक्ति नहीं मलिगी, जब तक कि आप यह दावा न करें कि भिगवान ने क्या कहा है। तथास्तु? तथास्तु। और ईसाई उन सभी चीजों के बारे में सोचें जिन्हें आप दावा न करके खो रहे हैं। यहां एक आदमी असंभव स्थिति में है उन्होंने कहा कि मुझे

वशिवास है। मेरा वशिवास है कजिसि ईश्वर ने हमें ततिर-बतिर कयिा, वह हमें पुनरस्थापति भी कर सकता है। मैं भगवान के वादों पर दावा करने जा रहा हूं।

प्रतबिदध

बाकी सारी कतिाब इसी का प्रवर्धन है। अद्भुत। अब एक और शब्द और फरि मैं समाप्त कर दूंगा क्योंकिसिमय लगभग समाप्त हो गया है। इसके प्रकाश में, नहेमायाह यह कहता है, “अब ये तेरे सेवक और तेरी प्रजा हैं, जनिहें तू ने यहोवा की प्रजा की चर्चा करके, अपनी बड़ी शक्ति, और अपने बलवन्त हाथ के द्वारा छुड़ा लिया है। हे प्रभु, अब मैं तुझ से बनिती करता हूं, तू अपने दास की प्रार्थना पर, और अपने उन दासों की प्रार्थना पर ध्यान दे, जो तेरे नाम का भय मानना चाहते हैं; वह, अपने बारे में बोल रहा है, इस आदमी की दृष्टिमें दया। क्योंकिमैं राजा का पलानेहारा था” (नेह. 1:10-11)। हम इन छंदों में पाते हैं, जैसा कबिाद में दिखाया गया है, कनिहेमायाह ने व्यक्तगित रूप से

ईश्वर की व्यवस्था और नियति और संप्रभुता और मार्गदर्शन के प्रति पूरण और पूरण प्रतिबद्धता जताई। उसने मानो अपने चारों ओर एक घेरा बना लिया और कहा, “हे प्रभु, सब कुछ इस घेरे के अंदर ले आओ। और मैं अपने आप को आपके हवाले करना चाहता हूँ। अब तुम मेरे साथ वही करो जो तुम्हें करना है. और रोमांचकारी बात यह है कि पूरी कतिब में वही है जो भगवान ने उस आदमी के साथ किया जसिने पूरी प्रतिबद्धता जताई थी। तथास्तु? अब समय ख़त्म हो गया है, क्या यह भयानक नहीं है?